

कृषि कुंभ
हिंदी मासिक पत्रिका

खण्ड 03 भाग 07, (दिसंबर, 2023)
पृष्ठ संख्या 04-05

फसल उत्पादन में सही उर्वरक और उनका उचित उपयोग से उत्पादन लागत में कमी



अंकित तिवारी¹ शिवम सिंह² अखिलानंद दुबे³ और चंद्रकांत चौबे⁴

¹टीचिंग एसोसिएट ²शोध छात्र, ³आचार्य और ⁴सहायक प्राध्यापक

¹सस्य विज्ञान विभाग, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक

विश्वविद्यालय कानपुर,

²मृदा विज्ञान विभाग, सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक

विश्वविद्यालय, मेरठ उत्तर प्रदेश

⁴मृदा विज्ञान विभाग, रवीन्द्र नाथ टैगोर कृषि महाविद्यालय देवघर बिरसा कृषि विश्वविद्यालय,

रांची, भारत।

Email Id: ankit.tiwari12130@gmail.com

प्रस्तावना:

भारत, जो कि विश्व का एक महत्वपूर्ण कृषि देश है, विभिन्न प्रकार की फसलों के उत्पादन में अग्रणी है। हमारी आर्थिक स्थिति एवं लोगों की आजीविका का एक बड़ा हिस्सा कृषि पर निर्भर करता है। इसके लिए, सही उर्वरकों का उचित उपयोग करना अत्यंत महत्वपूर्ण है ताकि फसलों का उत्पादन बढ़े और उत्पादन लागतमें कमी हो। इस लेख में, हम देखेंगे कि सही उर्वरकों का उचित उपयोग कृषि क्षेत्र में कैसे लाभकारी हो सकता है और इससे उत्पादन में कैसी कमी हो सकती है।

उर्वरकों का महत्व:

फसलों के लिए सही उर्वरकों का चयन करना उत्पादन को मजबूती प्रदान करने में मदद कर सकता है। उर्वरकों में मुख्य तौर से नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, और पोटैशियम शामिल होते हैं, जो पौधों के सही विकास और फलों के उत्पन्न होने में मदद करते हैं। इन तत्वों की उपयोगिता से सिर्फ फसल की वृद्धि होती है, बल्कि इससे उत्पादन की गुणवत्ता भी बढ़ती है।

उर्वरकों का उचित उपयोग:

- **नाइट्रोजन** : यह पौधों के पूरे विकास के लिए महत्वपूर्ण है। यह मुख्यतः पत्तियों और स्टेम की वृद्धि में सहायक होता है और पौधों को हरित बनाए रखता है।
- **फॉस्फोरस** : यह फसलों के बीजों के उत्पन्न होने में मदद करता है और मजबूत बूट का निर्माण करता है।
- **पोटैशियम** : यह फलों के सही विकास और रंग को बनाए रखने में मदद करता है।

उर्वरकों की सही मात्रा:

उर्वरकों की सही मात्रा चयन करना भी महत्वपूर्ण है। अधिक मात्रा में उर्वरकों का उपयोग करना भी हानिकारक हो सकता है और इससे फसलों पर हानि हो सकती है। इसलिए, किसानों को अपनी भूमि की विशेषज्ञता को ध्यान में रखकर उर्वरकों की सही मात्रा का चयन करना चाहिए।

उर्वरकों का समय पर प्रदान करना:

फसलों को उर्वरकों की आवश्यकता समय पर पूरी करना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह फसलों को सही समय पर मिलने वाले पोषण का लाभ पहुंचाने में मदद करता है और फसलों को बीमारियों और कीट प्रक्रियाओं से बचाता है।

उर्वरकों की आपूर्ति की व्यवस्था:

उर्वरकों की सही प्रमाण में और सही समय पर फसलों को पहुंचाने के लिए एक अच्छा आपूर्ति नेटवर्क स्थापित करना भी महत्वपूर्ण है। किसानों को उचित तकनीकी सामग्री और

कर सकता है, जिससे पूरे क्षेत्र को बुरा प्रभाव हो सकता है।

उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से जल संकट: अगर किसान अधिक मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करता है, तो इससे उत्पादन में तो वृद्धि हो सकती है, लेकिन साथ ही इससे पानी की अधिक आवश्यकता हो सकती है और जल संकट उत्पन्न हो सकता है।

जैव विविधता की कमी: अगर उर्वरकों का अत्यधिक प्रयोग किया जाता है, तो इससे जैव विविधता में कमी हो सकती है और भूमि की उर्वरता खतरे में पड़ सकती है।



जानकारी प्रदान करने के लिए सरकारी योजनाओं का उचित उपयोग करना चाहिए।

उर्वरकों के असहीत प्रयोग से होने वाली समस्याएं:

अगर उर्वरकों का असहीत उपयोग किया जाता है, तो इससे कई समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

जलवायु परिस्थितियां: अगर किसान अपनी खेतों की भूमि की विशेषज्ञता को ध्यान में नहीं रखता तो उर्वरकों की गलत मात्रा में प्रयोग

समापन:

इस प्रकार, उर्वरकों का सही चयन और उचित उपयोग करके किसान अपने खेतों के उत्पादन में लागतमें कमी पैदा कर सकता है और एक स्वस्थ और सुरक्षित खाद्य आपूर्ति को बढ़ावा दे सकता है। सरकार को भी किसानों को उचित तकनीकी सामग्री, जानकारी, और सहारा प्रदान करने के लिए योजनाएं बनानी चाहिए ताकि भारत कृषि क्षेत्र में और भी सशक्त हो सके और लोगों को सुरक्षित और स्वस्थ खाद्य मिल सके।